### उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग

# असिस्टेंट प्रोफेसर

### एवं

# राजकीय डिग्री कालेज (GDC)

# प्राचीन इतिहास

## सॉल्वड पेपर्स


**प्रधान सम्पादक**

आनन्द कुमार महाजन

**लेखन सहयोग**

प्राचीन इतिहास परीक्षा विशेषज्ञ समिति

**कम्प्यूटर ग्राफिक्स**

बालकृष्ण, चरन सिंह

**संपादकीय कार्यालय**

12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002

**मो. : 9415650134**

**Email : yctap12@gmail.com**

**www.yctbooks.com/ www.yctfastbooks.com**



**© All rights reserved with Publisher**



**प्रकाशन घोषणा**

प्रधान सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने ओम सांईं ऑफसेट, प्रयागराज से मुद्रित करवाकर, वाई.सी.टी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002 के लिए प्रकाशित किया।



इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सुझाव एवं सहयोग सादर अपेक्षित है।

**किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।**


**₹ 295/-**

# विषय-सूची


■ उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग परीक्षा पाठ्यक्रम ........ 3

**उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग**

■ उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा 2021 ........ 4-15

■ उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा 2016 ........ 16-26

■ उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा 2014 ........ 27-39

**उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग**

■ उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग राजकीय डिग्री कॉलेज परीक्षा 2017 ........ 40-52

■ उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग राजकीय डिग्री कॉलेज परीक्षा 2013 ........ 53-65

**राजस्थान लोक सेवा आयोग**

■ राजस्थान लोक सेवा आयोग कॉलेज लेक्चरर प्रथम प्रश्न-पत्र परीक्षा 2020 ........ 66-93

■ राजस्थान लोक सेवा आयोग कॉलेज लेक्चरर द्वितीय प्रश्न-पत्र परीक्षा 2020 ........ 94-118

■ राजस्थान लोक सेवा आयोग कॉलेज लेक्चरर प्रथम प्रश्न-पत्र परीक्षा 2014 ........ 119-126

■ राजस्थान लोक सेवा आयोग कॉलेज लेक्चरर द्वितीय प्रश्न-पत्र परीक्षा 2014 ........ 127-128

**उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग**

■ उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा 2017 ........ 129-132

**मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग**

■ मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा 2017 ........ 133-154

■ मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा 2017 ........ 155-160

**छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग**

■ छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा 2019 ........ 161-166

■ छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा 2016 ........ 167-170

■ छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा 2014 ........ 171-173

**हरियाणा लोक सेवा आयोग**

■ हरियाणा लोक सेवा आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा 2017 ........ 174-176

# उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग, प्रयागराज
# पाठ्यक्रम

**इकाई–1 : स्त्रोतः**

पुरातात्विक स्त्रोतः अन्वेषण, उत्खनन, अभिलेख, मुद्रा तथा स्मारक

प्राचीन भारतीय साहित्यिक स्त्रोतः वेद, उपनिषद, महाकाव्य, जैन एवं बौद्ध ग्रन्थ

पुराण, संस्कृत साहित्य-हर्षचरित, विक्रमांकदेव चरित, रजतरंगिणी

विदेशी विवरण– यूनानी, चीनी, अरबी तथा तिब्बती वृतान्त।

**इकाई–2 : पुरातत्त्व का परिचय**

पुरातत्त्व की परिभाषा, उद्देश्य, क्षेत्र, इतिहास एवं विकास

पुरातत्त्व का सामाजिक एवं प्राकृतिक विद्वानों से सम्बन्ध

अन्वेषण तथा उत्खनन विधियाँ

कालानुक्रम एवं तिथि निर्धारण

कालमापन विधियाँ (रेडियो कार्बन$^{C14}$, पोटेशियम/आर्गन, वृक्षवलय तिथि विधि, पुराचुम्बकीय तिथि विधि)

**इकाई–3 : प्रागितिहास एवं आद्य इतिहास**

प्रागैतिहासिक काल का प्रारम्भ–मानव का भूगर्भ शास्त्रीय एवं सांस्कृतिक आयाम, मानव विकास के प्रमुख चरण।

सांस्कृतिक पृष्ठभूमि– पाषाण उपकरणों का विकास एवं उनकी तकनीकियों का विकास।

पुरापाषाण काल–निम्न पुरापाषण काल, मध्य पुरापाषाण काल, उच्च पुरापाषाण काल।

भारतीय संदर्भ में प्रागैतिहासिक कला–प्राचीनता, महत्त्व एवं विस्तार।

मध्यपाषाण काल– विशेषताएं, उपकरण प्रकार, गुफा, कला।

नवपाषाण काल– विशेषाताएं, उपकरण प्रकार

ताम्रपाषाण काल– ताम्र विधियाँ, मृदभाण्ड– चित्रित धूसर मृदभाण्ड (पी0जी0डब्ल्यू0), उत्तरी कृष्ण मार्जित मृदभाण्ड (एन0बी0पी0)।

**इकाई–4 : सारस्वत–सिन्धु सभ्यता**

उद्भव, विस्तार, तिथिक्रम, पतन

मुख्य उत्खनित स्थल–हड़प्पा, मोहनजोदड़ो, कालीबंगा, लोथल, सुरकोटड़ा, राखीगढ़ी, धौलावीरा, बणावली, रंगपुर

वैदिक–सैन्धव सभ्यता का सह–अस्तित्व

वैदिक धार्मिक, दार्शनिक विचार एवं अनुष्ठान।

**इकाई–5 : ऐतिहासिक काल का प्रारम्भ**

षोडश महाजनपद, गणराज्य तथा राजतंत्र, नगरीय केन्द्रों का प्रारम्भ मगध का उद्भव उत्कर्ष तथा विकास, सिक्कों का प्रचलन, जैन धर्म तथा बौद्ध धर्म का प्रारम्भ, राजनैतिक संरक्षण, जैन तथा बौद्ध धर्म का राज्य निर्माण में योगदान, ईरान तथा यूनान का आक्रमण तथा प्रभाव।

**इकाई–6 : मौर्य तथा मौर्योत्तर काल**

मौर्य साम्राज्य की स्थापना, चन्द्रगुप्त मौर्यः प्रशासन तथा साम्राज्य विस्तार, अशोकः धम्म का स्वरूप, अभिलेख की विषयवस्तु, पर्यावरणीय चेतना, प्रशासन, कौटिल्य तथा अर्थ शास्त्र, वस्तुकला तथा मूर्तिकला।

शुंग, कण्व, हिन्द-यवन, शक, कुषाण–राजनैतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास (कला, वास्तुकला, अर्थव्यवस्था, अभिलेख)

**इकाई–7 : गुप्त तथा गुप्तोत्तर काल**

गुप्तों का राजनैतिक इतिहास

सांस्कृतिक इतिहास–मुद्रा, अभिलेख, मूर्तिशिल्प, मंदिर, गुप्त– वाकाटक सम्बन्ध,

चीनी यात्री फाह्यान, ह्वेनसांग

परवर्ती गुप्त शासकों का राजनैतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास।

पुष्यभूति वंश–हर्ष का राजनैतिक एवं सास्कृतिक इतिहास।

**इकाई–8 : दक्कन एवं दक्षिण भारत**

खारवेल, सातवाहन, संगम कालीन संस्कृति– प्रशासन, अर्थव्यवस्था, सामाजिक व्यवस्था।

चालुक्य, राष्ट्रकूट, प्रतिहार, चेदि, चौलुक्य, चेर, पाण्ड्य, पाल एवं सेन– राजनैतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास, पल्लव एवं चोल कालीन मूर्ति शिल्प एवं मंदिर, महमूद गजनवी एवं मुहम्मद गोरी के आक्रमण।

**इकाई–9 : पूर्व मध्यकाल– सामाजिक एवं सांस्कृतिक स्थिति**

भारतीय सामन्तवाद, जातिप्रथा, स्त्रियों की स्थिति, शिक्षा तथा शैक्षिक संस्थाएं– नालन्दा, विक्रमशिला, वल्लभी, वैष्णव एवं शैव धर्मों का विकास, आलवार एवं नायनार, शंकराचार्य– वेदान्त, रामानुज, बौद्ध धर्म एवं दर्शन, धर्म में तंत्र का प्रभाव, मंदिर एवं मठ–संस्था के रूप में उदय, अग्रहारदान, बाह्य सम्पर्क, श्रीलंका एवं दक्षिण–पूर्व एशिया तथा चीन, व्यापार तथा व्यापार मार्ग, मुद्राएं, मंदिर, मूर्ति-शिल्प।

**इकाई–10 : इतिहास में शोध प्रविधि**

इतिहास क्या है?

इतिहास लेखन की विविध विधाएं

इतिहास तथा मूल्य

प्राच्य, पाश्चात्य एवं राष्ट्रवादी दृष्टिकोण

अनुसंधान का क्षेत्र

क्षेत्रीय अन्वेषण

शोध प्राविधि

# उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग असिस्टेन्ट प्रोफेसर परीक्षा 2021

# प्राचीन इतिहास

## व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र [परीक्षा तिथि : 28.11.2021

**1. Which one of the following is the only Survving School/Shakha of Rigveda?**
**निम्नलिखित में कौन एक ऋग्वेद की जीवित शाखा है?**
(a) Madhyanandin/माध्यन्दिन
(b) Kathak/काठक
(c) Shakal/शाकल
(d) Tattiriya/तैत्तिरीय

**Ans. (c) :** वेदों की कई शाखाएँ है जिन्हें 'चरण' की संज्ञा दी गयी है। शाकल शाखा ऋग्वेद से जुड़ी एकमात्र जीवित शाखा है। यजुर्वेद को शुक्ल यजुर्वेद तथा कृष्ण यजुर्वेद दो शाखाओं में बांटा गया है। कौथुम, राणायनीय, जैमिनीय अथवा तलवकार सामवेद की तीन शाखाएं हैं। अर्थवेद की शाखा शौनक और पिप्पलाद है। वैसे ऋग्वेद की 5 शाखाओं शाकल, वाष्कल, आश्वलायन, शंखायन तथा माण्डुकायन का उल्लेख मिलता है किन्तु वर्तमान में शाकल शाखा सबसे प्रमाणित और जीवित शाखा है।

**2. Which inscription gives remarkable clues on the genealogy of the Kushana dynasty?**
**कौन-सा अभिलेख कुषाण वंश की वंशावली का उल्लेखनीय संकेत देता है?**
(a) Ara Inscription/ आरा लेख
(b) Surkh Kotal Inscription / सुर्खकोटल लेख
(c) Rabatak Inscription / रबतक लेख
(d) Mathura Inscription / मथुरा लेख

**Ans. (c) :** अफगानिस्तान के बघलान प्रांत में स्थित सुर्खकोतल के पास रबातक नामक स्थान पर काफिर का किला नामक एक पहाड़ी से 1993 ई0 में रबतक अभिलेख की खोज की गयी। बैक्ट्रियन भाषा और यूनानी लिपि वाले इस लेख का प्रथम संपादन तथा अनुवाद निकोलस सिमस विलियम्स तथा जो क्रिव ने किया। रबातक अभिलेख प्रथम अभिलेख है जिसमें कुषाण शासकों की वंशावली दी गयी है। इस अभिलेख में कनिष्क काल के 'शफर' नामक एक अधिकारी का भी वर्णन है।

**3. Coins with legends and portraits were introduced in India by :**
**भारत में लेखों और चित्रों युक्त सिक्कों का प्रचलन निम्न ने करवाया :**
(a) Mauryas/ मौर्यों द्वारा
(b) Indo-Sytheans / इण्डो-सीथियन द्वारा
(c) Indo-Greeks / इण्डो-ग्रीक द्वारा
(d) Kushanas / कुषाणों द्वारा

**Ans. (c) :** भारत में लेखों और चित्र युक्त सिक्कों का प्रचलन सर्वप्रथम इंडो-ग्रीक शासकों द्वारा करवाया गया। भारतीय प्रदेश में वर्गाकार (चौकोर) मुद्रा का प्रवर्तन करने वाला प्रथम इंडो-ग्रीक शासक एन्तियोकस प्रथम था। पेण्डालियान तथा अगाथोक्लीज प्रथम इंडो-ग्रीक शासक थे जिन्होंने अपनी मुद्राओं पर खरोष्ठी के साथ भारतीय ब्राह्मी लिपि का प्रयोग किया तथा विश्व में प्रथम निकिल की बनी मुद्राएं जारी की। अगाथोक्लीज प्रथम इंडो-ग्रीक शासक था जिसकी मुद्राओं पर वासुदेव तथा बलराम (संकर्षण) की आकृतियों का अंकन मिलता है। उसकी मुद्राओं पर शंक्वाकार स्तूप का भी अंकन मिलता है।

**4. Which rock edict of Ashoka refers to Karuvaki and Son Tival?**
**अशोक के किस शिलालेख में कारुवाकी और पुत्र तिवर का उल्लेख मिलता है?**
(a) Minor Rock Edict VII / लघु शिलालेख VII
(b) The Queen's Edict / रानी का शिलालेख
(c) Minor Rock Edict XIII / लघु शिलालेख XIII
(d) Pillar Edict VII / स्तम्भ लेख VII

**Ans. (b) :** कौशाम्बी या प्रयाग लघु स्तंभ लेख को रानी का अभिलेख या साम्राज्ञी अभिलेख कहा जाता है। इसकी खोज 1834 ई. में कैप्टन बर्ट द्वारा किया गया। यह लेख अशोक की रानी कारुवाकी के दान-पुण्य का उल्लेख भी करता है। साथ ही अशोक तथा उसके पुत्र तीवर का उल्लेख इसमें मिलता है। अशोक के अभिलेख में वर्णित यही एकमात्र पत्नी तथा पुत्र है। इसे दानात्मक अभिलेख भी कहा जाता है। इस लघु स्तंभ लेख में लिखा है कि उपासकों को प्रत्येक उपोसथ दिवस पर आकर इस नियम का पालन करना चाहिए।

**5. Arrange the following historical places in geographically from North to South :**
**निम्नलिखित ऐतिहासिक स्थलों को भौगोलिक दृष्टि से उत्तर से दक्षिण के क्रम में व्यवस्थित करें :-**
(a) Dwarsamudra / द्वारसमुद्र
(b) Shravan Belagola /श्रवण बेलगोला
(c) Manyakheta /मान्यखेत
(d) Aihole /एहॉल

**Code : / कूट :**
(A) (a), (b), (c), (d)  (B) (d), (c), (b), (a)
(C) (d), (b), (c), (a)  (D) (c), (d), (a), (b)

**Ans. (d) :** प्रश्नानुसार दिए गए स्थानों का उत्तर से दक्षिण क्रम मान्यखेत, एहोल, द्वारसमुद्र तथा श्रवणबेलगोला है। श्रवणबेलगोला को 'जैन काशी' कहा जाता है जो गोमतेश्वर की ऊँची मूर्ति के लिए प्रसिद्ध है। द्वारसमुद्र में होयसलों ने 12वीं-13वीं शताब्दी में अपनी सत्ता को स्थापित किया था। मान्यखेत में राष्ट्रकूटों ने अपनी सत्ता 8वीं-10वीं शताब्दी तक स्थापित की। एहोल से चालुक्य शासक पुलकेशिन द्वितीय का महत्वपूर्ण अभिलेख प्राप्त हुआ है।

**6. Who was the author of Kirti-Kaumadi ?**
**'कीर्तिकौमुदि' का लेखक कौन था?**
(a) Rajshekhar / राजशेखर
(b) Meratunga / मेरुतुंग
(c) Uday Prabha / उदयप्रभा
(d) Someshwardeva /सोमेश्वरदेव

**Ans. (d) :** गुजरात के चौलुक्य वंश का इतिहास हमें मुक्य रूप से जैन लेखकों के ग्रन्थों से ज्ञात होता है। ये लेखक चौलुक्य शासकों की राजसभा में निवास करते थे। इन ग्रन्थों में हेमचन्द्र का द्वाश्रयकाव्य, मेरुतुंगकृत सूरि का कुमारभूपालचरित आदि का उल्लेख किया जा सकता है जिनके अध्ययन से हम इस वंश के शासकों की राजनैतिक तथा सांस्कृतिक उपलब्धियों का विवरण प्राप्त करते हैं।

**7. Who was the author of Muruzul Zahab?**
**'मुरुजुल जहाब' के लेखक कौन थे?**

(a) Suleman / सुलेमान
(b) Al-Masaudi / अल-मसऊदी
(c) Al-biladuri / अल-बिलादुरी
(d) Minhazuddin / मिनहाजुद्दीन

**Ans. (b) :** अलमसूदी बगदाद का यात्री था जिसे इतिहास विशेषज्ञ होने के कारण 'अरब का हेरोडोटस' कहा जाता है। अलमसूदी प्रतिहार शासक महिपाल प्रथम के समय भारत आया था। इसने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'मुरुजुल जहाब' में प्रतिहार राजा को अलजुंज, मिहिरभोज को बऊर कहा है। इसने पान का विस्तृत वर्णन दिया है।

**8. Which of the following human type is associated with the Lower Palaeolithic Cultures?**
**निम्नलिखित में से कौन-सा मानव प्रकार निम्न पुरापाषाण संस्कृति से जुड़ा है ?**

(a) Homo-habilis/ होमो-हैबिलिस
(b) Homo-Erectus / होमो-इरेक्टस
(c) Homo-neanderthalesis / होमो-नियण्डरथॅलेसिस
(d) Grimaldi / ग्रीमाल्डी

**Ans. (b) :** होमो इरेक्टस मानव का संबन्ध निम्न पुरापाषाण काल से है। इसी प्रकार होमो नियण्डरथल मानव का संबन्ध मध्य पुरा पाषाणकाल से जबकि होमो सेपियन्स मानव का संबन्ध उच्च पुरा पाषाण काल से माना जाता है। होमो इरेक्टस प्राचीनतम द्विपद मानव है तथा यही सीधा चलने वाला कपि मानव था। अग्नि के आविष्कार का श्रेय होमो इरेक्टस को ही दिया जाता है। मृतकों का अंतिम संस्कार करने वाला प्रथम मानव होमो नियण्डरथल था जबकि पहला आधुनिक और प्रज्ञ मानव होमो सेपियन्स को माना जाता है।

**9. Which one of the following techniques was not used to manufracture the Mesolithic tools?**
**मध्य पाषाण कालीन उपकरणों के निर्माण मे निम्न तकनीकों से कौन-सी पद्धति प्रयोग में नहीं ली जाती थी?**

(a) Pressue Technique / दबाव तकनीक
(b) Percussion Technique / घात प्रतिघात तकनीक
(c) Fluting Technique / फ्लूटिंग तकनीक
(d) Friction Technique / घर्षण तकनीक

**Ans. (d) :** मध्य पाषाणकालीन उपकरण के निर्माण में फ्लूटिंग तकनीक, घात प्रतिघात तकनीक तथा दबाव तकनीक का प्रयोग किया जाता था। इस काल में घर्षण तकनीक का प्रयोग उपकरण निर्माण में नहीं किया जाता था। मध्य पाषाणकाल के उपकरण पुरा पाषाणकाल की तुलना में छोटे होने के कारण लघु पाषाण उपकरण कहे जाते थे। इन औजारों का निर्माण सामान्य रूप से समान्तर फलक वाले छोटे ब्लेडों पर क्वार्टजाइट, चर्ट, चौल्सडेनी, जैस्पर, अगेट जैसे सिलिका पत्थरों से होता था।

**10. In which year the Archaeological Survey of India became a permanent department?**
**भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण विभाग किस वर्ष में स्थायी विभाग बना?**

(a) 1900 (b) 1902
(c) 1904 (d) 1906

**Ans. (d) :** भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की स्थापना 1861ई0 में वायसराय लॉर्ड कैनिंग के काल में हुई थी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग को 1906ई0 में स्थायी बना दिया गया। 1871ई0 में जनरल कनिंघम को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग का प्रथम महानिदेशक नियुक्त किया गया। कनिंघम मूलतः मुद्राशास्त्री थे। इन्हें भारतीय पुरातत्व का जनक भी कहा जाता है। दयाराम साहनी प्रथम भारतीय थे जो 1931ई0 में भारतीय पुरातत्व विभाग के महानिदेशक नियुक्त हुए थे।

**11. Who was made the Director-General of Archaeological Survey of India after John Marshall?**
**जॉन मार्शल के बाद भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण का महानिदेशक किसे बनाया गया?**

(a) H. Hargreaves/ एच. हरग्रीव्स
(b) Daya Ram Sahni / दयाराम साहनी
(c) J.F. Blackiston / जे.एफ. ब्लैकिस्टन
(d) Mortimer Wheeler / मार्टिमर व्हीलर

**Ans. (a) :** जॉन मार्शल के बाद भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण का महानिदेशक एच0 हरग्रीव्स को बनाया गया। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की स्थापना 1861ई0 में किया गया। जिसे 1906ई0 में स्थायी बना दिया गया। भारतीय पुरातत्व विभाग के प्रथम महानिदेशक 1871ई0 में कनिंघम को बनाया गया। जॉन मार्शल 1902-1928 तक पुरातत्व विभाग के महानिदेशक रहे इसके बाद एच0 हरग्रीव्स 1928-1931 तक इसके महानिदेशक रहे। दयाराम साहनी 1931ई0 में इसके महानिदेशक बने जो प्रथम भारतीय थे।

**12. Which one of the following is suitable for Potassium Aryan dating?**
**निम्नलिखित में कौन पोटेशियम – आर्गन तिथिकरण के लिए उपयुक्त है?**

(a) Burnt clay/ जली हुई मिट्टी
(b) Basalt / बेसाल्ट
(c) Burnt bone / जली हुई हड्डी
(d) Pottery /मृदभाण्ड

**Ans. (b) :** बेसाल्ट पोटेशियम-आर्गन तिथिकरण के लिए उपयुक्त होता है। पोटेशियम-आर्गन विधि अत्यधिक पुरानी वस्तुओं की तिथि निर्धारित करने की विधि है। इस पद्धति में वस्तुओं में उपलब्ध रेडियोधर्मी पोटेशियम ($K^{40}$) तथा उसके विघटन से बने आर्गन ($Ar^{40}$) की मात्रा को मापक पैमाने के रूप में उपयोग किया जाता है। इस विधि का विकास 1950ई0 के लगभग डब्ल्यू जेन्टबर ने किया। इस विधि द्वारा 30 हजार वर्ष पुरानी वस्तुओं से लेकर 30 करोड़ वर्ष तक पुरानी वस्तुओं की तिथि निर्धारित की जा सकती है।

**13. Mortimer wheeler has compared which method of excavation to a railway time-table without a train?**
**मार्टिमर व्हीलर ने किस उत्खनन विधि की तुलना एक रेलगाड़ी की समय सारणी से की है, जिसकी गाड़ी का कोई पता नहीं है?**

(a) Vertical method of excavation
शैर्षिक उत्खनन की विधि
(b) Horizontal method of excavation
क्षैतिज उत्खनन की विधि
(c) Parallel method of excavation
समानान्तर उत्खनन की विधि
(d) Quardrant method of excavation
चतुष्पाद उत्खनन की विधि

**Ans. (a) :** मार्टिमर व्हीलर ने अनुलंब या शैर्षिक उत्खनन विधि की तुलना एक रेलगाड़ी की समय-सारणी से की है जिसकी गाड़ी का कोई पता नही है। उत्खनन की सामान्यतः 2 विधियाँ शैर्षिक व क्षैतिज है। शैर्षिक उत्खनन का अर्थ है सीधी खड़ी लम्बवत खुदाई करना जिससे कि विभिन्न संस्कृतियों का कालक्रमिक ताँता उद्घटित हो सके। यह सामान्यतः स्थल के कुछ भाग में ही सीमित रहता है। क्षैतिज उत्खनन का अर्थ है सारे टीले की या उसके वृहद भाग की खुदाई करना। इस तरह की खुदाई से उस स्थल की काल विशेष की संस्कृति का पूर्ण आभास पा सकते है।

**14. Who is the author of a book "Notes on Archaeology for Guidance in the Field"?**
**"Notes on Archaeology for Guidance in the Field" ''नोट्स ऑन आर्कियोलॉजी फॉर गाइडेन्स इन द फील्ड'' नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं?**
(a) J. G. D. Clark / जे.जी.डी. क्लार्क
(b) Mortimer Wheeler / मॉर्टिमर व्हीलर
(c) Glen Daniel / ग्लेन डेनियल
(d) O.G.S. Crawford / ओ.जी.एस. क्रॉफोर्ड

**Ans. (d) :** सही सुमेलन है-

| **किताब** | | **लेखक** |
|---|---|---|
| द प्री हिस्टोरिक कल्चरर्स ऑफ द हार्न ऑफ अफ्रीका | – | जे0जी0डी0 क्लार्क |
| अर्ली इंडिया एण्ड पाकिस्तान | – | मॉर्टिमर व्हीलर |
| नोट्स ऑन आर्किलॉजी फॉर गाइडेन्स इन द फील्ड | – | ओ0जी0एस0 क्रॉफोर्ड |
| ए कल्चरल हिस्ट्री ऑफ इंडिया | – | ए0एल0 बासम |

**15. Arrange the following Palaeolithic sites in chronological order :**
**निम्नलिखित पुरापाषाणिक स्थलों को तिथि क्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए :**
**(I) Jwalapuram – 9 / ज्वालापुरम - 9**
**(II) Attirampakkam / अतिरमपक्कम**
**(III) Ishampur / ईशामपुर**
**(IV) Jalapur and Dina / जलालपुर और दीना**
**Select the correct answer from the code given below :**
**नीचे दिए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :**
(a) (III), (II), (I), (IV) (b) (II), (III), (IV), (I)
(c) (IV), (I), (III), (II) (d) (I), (IV, (II), (III)

**Ans. (b) :** प्रश्नानुसार दिए गए पुरापाषाणिक स्थलो का क्रम अत्तिरम्पक्कम, इसामपुर, जलालापुर और दीना तथा ज्वालापुरम-9 है। अतिरम्पक्कम तमिलनाडु का सबसे समृद्ध पुरापाषाणिक स्थल है। 1863ई0 में यहाँ सर्वप्रथम किंग द्वारा उत्खनन किया गया। इसी तरह कर्नाटक में स्थित इसामपुर पुरापाषाणकालीन औजार बनाने का अत्यन्त महत्वपूर्ण केन्द्र था। ज्वालापुरम-9 आंध्र प्रदेश के कुरनुल जिले में स्थित एक महत्वपूर्ण पुरापाषाणिक स्थल है। इसी प्रकार जलालपुर और दीना पाकिस्तान के रिवात घाटी में स्थित पुरापाषाणिक स्थल है।

**16. Which one of the followign Neolithic sites are deted to 6 Millennium B.C.?**
**निम्नलिखित में से कौन नवपाषाण स्थलों की तिथि छः सहस्त्राब्दि ईसा पूर्व हैं?**
**(I) Koldihwa/ कोल्डिहवा**
**(II) Mahagara/ महगढ़ा**
**(III) Tokwa/ टोकवा**
**(IV) Panchoh/ पँचोह**
(a) (I) और (II) (b) (I) और (III)
(c) (II) और (III) (d) (III) और (IV)

**Ans. (b) :** बेलन घाटी में स्थित कोल्डिहवा और टोकवा नवपाषाणिक स्थलों की तिथि 6000 ई.पू. है। कोल्डिहवा के नवपाषाणिक स्थल से धान की खेती के साक्ष्य तथा जली हुई धान की बालियाँ प्राप्त हुई है। यहाँ के लोग चावल की जंगली तथा कृत्रिम प्रजाति दोनो से परिचित थे जो 6000 ई.पू. के साक्ष्य है। मिर्जापुर में बेलन और अदवा नदी के संगम पर स्थित टोकवा स्थल से भी 6000 ई.पू. के कृषि के साक्ष्य प्रकाश में आए है।

**17. Which two of the following are excavated Acheulean sites in India?**
**निम्नलिखित में से कौन-से दो उत्खनित अशुलियन स्थल हैं?**
**(1) Chirki Niwasa/ चिरकी निवासा**
**(2) Chirand / चिरांद**
**(3) Baghor/ बाघोर**
**(4) Hunsgi/ हुसंगी**
(a) (1) और (2) (b) (1) और (3)
(c) (1) और (4) (d) (2) और (3)

**Ans. (c) :** चिरकी-नेवासा और हुसंगी उत्खनित ऐशूलियन स्थल है। ऐशूलियन उपकरणों में हैंडएक्स, क्लीवर, स्क्रेपर आदि आते है जो ज्यादातर दक्षिण भारत और दक्कन में पाए गए है। महाराष्ट्र में स्थित चिरकी-नेवासा नामक स्थल से निम्न पुरापाषाण काल की प्राचीनतम तिथि ज्ञात हुई है। कर्नाटक में स्थित हुसंगी के तट से औजार निर्माण केन्द्र के अवशेष मिले है।

**18. Chronologically arrange the cultural sequence of the following sites :**
**निम्नलिखित स्थलों के सांस्कृतिक अनुक्रम को कालानुक्रम के अनुसार व्यवस्थित करें-**
**(I) Ahar / अहाड़**
**(II) Birbhanpur / बीरभानपुर**
**(III) Sravasti / श्रावस्ती**
**(IV) Gufkaral / गुफकराल**
**Code : / कूट :**
(a) (II), (IV), (I), (III) (b) (III), (IV), (II), (I)
(c) (I), (III), (IV), (II) (d) (IV), (II), (I), (III)

**Ans. (a) :** प्रश्नानुसार दिए गए स्थलों का सांस्कृतिक क्रम वीरभानपुर, गुफकराल, अहाड़ और श्रावस्ती है। वीरभानपुर पश्चिम बंगाल में स्थित मध्यपाषाणिक स्थल है जिसका उत्खनन 1954 ई0 में बी0 बी0 लाल ने किया था। गुफकराल कश्मीर में स्थित नवपाषाणिक स्थल है जिसका उत्खनन 1981 ई0 में ए0के0 शर्मा ने किया था। अहाड़ राजस्थान में बनास नदी घाटी में स्थित एक ताम्रपाषाणिक स्थल है जिसका उत्खनन सर्वप्रथम 1953 ई0 में ए0के0 ब्यास ने किया था। श्रावस्ती महाजनपद काल और बुद्धकाल का एक महत्वपूर्ण नगर था जो कोसल महाजनपद की राजधानी थी।

**19. In which of the following culture lower legs of the dead person were chopped off before burial?**
**निम्नलिखित में किस संस्कृति में मृतक के निचले पैर को दफनाने से पूर्व काट दिया जाता था?**

(a) Jorwe Culture /जोर्वे संस्कृति में
(b) Neolithic Culture /नवपाषाण संस्कृति में
(c) Kayatha Culture / कायथा संस्कृति में
(d) Painted grey ware Culture
चित्रित धूसर मृद्भाण्ड संस्कृति में

**Ans. (a) :** जोर्वे ताम्रपाषाणिक संस्कृति में मृतक के निचले पैर को दफनाने से पूर्व काट दिया जाता था। जोर्वे संस्कृति का विस्तार पश्चिमी महाराष्ट्र में था। दायमाबाद, जोर्वे, नेवासा, इनामगाँव चन्दौली, बहाल, प्रकाश आदि प्रमुख जोर्वे संस्कृति के स्थल है। जोर्वे संस्कृति यद्यपि ग्रामीण थी किन्तु इसकी कई बस्तियाँ जैसे दायमाबाद और इनामगाँव नगरीय अवस्था तक पहुँच गयी थी। इनामगाँव से वृत्ताकार झोपड़ियों के साक्ष्य मिले है।

**20. Which one of the following group of hma being is known as the most intelligent?**
**निम्नलिखित मानव समूह में से कौन एक सबसे बुद्धिमान प्रकार माना जाता है?**

(a) Homo habilis/ होमो - हेबिलिस
(b) Homo-erachtes / होमो - इरेक्टस
(c) Homo - ergaster / होमो - इरगास्टर
(d) Homo-neanderthalesis / होमो – नियण्डरथैलेसिस

**Ans. (d) :** होमो नियण्डरथैलोसिस को सामान्यतः मध्यपुरापाषाण काल का मानव माना जाता है जो दिए गए विकल्पों में सबसे बुद्धिमान प्रकार का मानव है। होमो-नियण्डरथैलेसिस मानव ने ही सर्वप्रथम अग्नि का व्यापक रूप से प्रयोग किया तथा मृतकों का अंतिम संस्कार करने वाला प्रथम मानव यही था। होमो नियण्डरथैलोसिस मानव ने तन ढकने के लिए चमड़े से बने कपड़ों के प्रयोग शुरू किए। होमो इरेक्टस को निम्न पुरापाषाण काल का मानव माना जाता है।

**21. Muchchatal Chintamani Gavi, a cave archaeological site is related to :**
**मुच्छतल चिन्तामणि गवि, एक पुरातात्विक गुफा स्थल का संबंध निम्न से है :**

(a) Lower Palaeolithich Culture
निम्न पुरापाषाण संस्कृति
(b) Middle Palaeolithic Culture
मध्य पुरापाषाण संस्कृति
(c) Upper Palaeolithic Culture
उच्च पुरापाषाण संस्कृति
(d) Mesolithic Culture/मध्य पाषाण संस्कृति

**Ans. (c) :** मुच्छतल चिन्तामणि गवि पुरातात्विक गुफा स्थल आंध्र प्रदेश में स्थित एक उच्च पुरापाषाण कालीन स्थल है जहाँ से हड्डी-सींग से बने औजार सर्वाधिक संख्या में मिले है। आंध्र प्रदेश के अन्य उच्च पुरापाषाणिक स्थल रेणीगुण्टा, बेटमचैला, बेमुला, कर्नुल आदि है। कर्नुल के विलासुरग्राम गुफा से भारत में प्राचीनतम चूल्हे का अवशेष प्राप्त हुआ है। कर्नुल गुफाओं से मानव अस्तित्व तथा अग्नि के चिन्ह मिले हैं।

**22. Which one of the following Harappan sites does not belong to early Harappan Phase?**
**निम्नलिखित हड़प्पन स्थलों में से कौन स्थल प्रारंभिक हड़प्पन चरण से संबंधित नहीं है?**

(a) Rakhigarhi /राखीगढ़ी
(b) Dholavira / धौलावीरा
(c) Kunal / कुणाल
(d) Hulas / हुलास

**Ans. (d) :** उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में स्थित हुलास उत्तर हड़प्पा कालीन स्थल है। यहाँ से प्रारम्भिक हड़प्पा चरण के अवशेष नहीं मिले हैं। यहाँ से सैन्धव लिपि युक्त एक ठप्पा प्रकाश में आया है। गेहूँ की कृषि के स्पष्ट साक्ष्य यहाँ से मिले हैं। राखीगढ़ी, धौलावीरा और कुणाल से प्रारम्भिक हड़प्पा चरण के साक्ष्य प्राप्त होते हैं।

**23. Which tributaries of Saraswati river are mentioned in Rigveda?**
**ऋग्वेद में सरस्वती नदी की किन सहायक नदियों का उल्लेख है?**

(a) Drishadvati and Apaya/ दृषद्वती एवं आपया
(b) Sindhu and Chenab / सिंधु एवं चेनाब
(c) Ravi and Jhelum / रावी एवं झेलम
(d) Sindhu and Ravi / सिंधु एवं रावी

**Ans. (a) :** ऋग्वेद में सरस्वती नदी की सहायक दृषद्वती एवं आपया नदी का उल्लेख है। ऋग्वेद के नदी सुक्त में 19 नदियों का उल्लेख मिलता है जबकि सम्पूर्ण ऋग्वेद में 25 तथा सम्पूर्ण वैदिक संहिता में 31 नदियों का उल्लेख है। उल्लेखनीय है कि ऋग्वेद के नदी सूक्त में ब्यास नदी का उल्लेख नहीं है। इसको परिगणित नदी कहा गया है। ऋग्वेद में परूष्णी (रावी) नदी को इरावती नदी भी कहा गया है। सरस्वती और दृषद्वती नदियों के मध्य का प्रदेश ब्रह्मवर्त कहलाता था।

**24. Rigvedic Parjanya was the god of :**
**ऋग्वैदिक पर्जन्य किसके देवता थे?**

(a) Rain, Water and Rivers / वर्षा, जल, नदी के
(b) Agni / अग्नि के
(c) Earth / पृथ्वी के
(d) Plants / वनस्पति के

**Ans. (a) :** ऋग्वेद में पर्जन्य बादलों के देवता थे। यह मुख्यतः वर्षा, जल, नदी आदि के लिए पूजनीय थे। इन्द्र को आँधी, तूफान, बिजली और वर्षा का देवता भी अंशतः माना जाता है। वरुण को भी नदियों और समुद्र का देवता माना जाता है। मित्र और वरूण हजार स्तंभों के महल में निवास करने वाले देवता थे। रूद्र भय उत्पन्न करने वाला देवता था जबकि अश्विन को ऋग्वैदिक काल में चिकित्सा का देवता माना जाता था।

**25. Dancing girl grattitti on a potsherd has been found from which site ?**
**मृद्भाण्ड खण्ड पर नर्तकी का उत्खनन किस स्थान से प्राप्त हुआ है?**

(a) Mohenjodaro / मोहनजोदड़ो
(b) Kunal /कुणाल
(c) Sinauli / सिनौली
(d) Bhirana / भिराना

**Ans. (d) :** भिराना हरियाणा में स्थित परिपक्व हड़प्पा संस्कृति का स्थल है। यहाँ के लाल मृदभाण्ड पर एक स्त्री का चित्र अंकित मिला है। जिसकी तुलना मोहनजोदड़ो से प्राप्त काँस्य नर्तकी से की गयी है। यहाँ से अनेक कमरो वाले 3 भवन की प्राप्ति हुई है। 4 कमरोयुक्त एक भवन टीले के बिल्कुल केन्द्र में स्थित है। एक भवन में 10 कमरों के अलावा बरामदा व आँगन भी था।

**26. Match the following and give the answer from the give code :**

| | | | |
|---|---|---|---|
| **(a)** | **Rigveda** | **(I)** | **Udgatr** |
| **(b)** | **Yajurveda** | **(II)** | **Brahman** |
| **(c)** | **Samveda** | **(III)** | **Hotr** |
| **(d)** | **Atharvaveda** | **(IV)** | **Adhvaryu** |

**निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए एवं दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :**

| | | | |
|---|---|---|---|
| **(a)** | **ऋग्वेद** | **(I)** | **उद्गातृ** |
| **(b)** | **यजुर्वेद** | **(II)** | **ब्राह्मण** |
| **(c)** | **सामवेद** | **(III)** | **होतृ** |
| **(d)** | **अथर्ववेद** | **(IV)** | **अध्वर्यु** |

**Code : / कूट :**

(A) (a)-(II), (b)-(I), (c)-(III), (d)-( IV)
(B) (a)-(III), (b)-(IV), (c)-(I), (d)-( II)
(C) (a)-(I), (b)-(II), (c)-(III), (d)-( IV)
(D) (a)-(IV), (b)-(III), (c)-(II), (d)-(I)

**Ans. (b) :** सही सुमेलन है–

| **वेद** | – | **अध्येता** |
|---|---|---|
| ऋग्वेद | – | होतृ |
| यजुर्वेद | – | अध्वर्यु |
| सामवेद | – | उद्गातृ |
| अथर्ववेद | – | ब्राह्मण |

**27. Which of the following Vedic Gods are mentioned in the Boghujkoi inscription?**
**निम्नलिखित में से कौन-से वैदिक देवता का उल्लेख बोगजकोई अभिलेख में मिलता है?**

(a) Indra, Mitra, Nasatya, Varuna
इन्द्र, मित्र, नासत्य एवं वरुण
(b) Agni, Indra, Mitra, Nastya
अग्नि, इन्द्र, मित्र, नासत्य
(c) Mitra, Nastya, Varuna, Yama
मित्र, नासत्य, वरुण, यम
(d) Nastya, Varuna, Yama, Agni
नासत्य, वरुण, यम, अग्नि

**Ans. (a) :** बोगजकोई प्राचीन मितानी राज्य की राजधानी थी। इस लेख में हित्ती नरेश तथा मितानी नरेश के मध्य हुई संधि का वर्णन है तथा इस हेतु इन्द्र, वरुण, नासत्य तथा मित्र नामक देवाताओं को साक्षी माना गया है। यह अभिलेख 1400 ई.पू. का है तथा इसकी खोज 1906 ई. में हूगो विंक्लर ने मिट्टी की पट्टिकाओं पर उद्वत लेख के रूप में तुर्की से की। इस अभिलेख में रथ के पट्टियों के घूमने के अर्थ में 'आवर्तन' शब्द का भी प्रयोग मिलता है।

**28. Janak and Yajnavalkya episode found in :**
**जनक याज्ञवल्क्य कथानक निम्न में प्राप्त होता है :**

(a) Satapatha Brahmana / शतपथ ब्राह्मण
(b) Aitariya Brahmana / ऐतरेय ब्राह्मण
(c) Brihadaranyaka Upanishada/बृहदारण्यक उपनिषद
(d) Kathopanishada / कठोपनिषद

**Ans. (c) :** बृहदारण्यक उपनिषद के प्रधान प्रवक्ता याज्ञवल्क्य है। विदेह राजा जनक की राजसभा में ब्रह्मवादी विद्वानों को याज्ञवल्क्य द्वारा शास्त्रार्थ में परास्त कर ब्रह्म विद्या का प्रतिपादन करने का वर्णन इसमें मिलता है। मानव चिन्तन के इतिहास में पहले-पहल इसी उपनिषद में ब्रह्म या पूर्ण तत्व को ग्रहण करके उसकी यथार्थ व्यंजना की गयी है। मैत्रेयी को याज्ञवल्क्य द्वारा प्रदत्त आत्म-ज्ञान के महत्व का वर्णन प्रसिद्ध 'याज्ञवल्क्य-गार्गी' संवाद आदि इसमें मिलते हैं।

**29. In the Vedic period, who was considered to be the deity who took the stray cows to their homes safely?**
**वैदिक काल में भटकी हुई गायों को सकुशल घर पहुँचाने वाला देवता किसे माना जाता था?**

(a) Varuna/ वरुण
(b) Vishnu / विष्णु
(c) Pushan / पूषन
(d) Marut / मारुत

**Ans. (c) :** ऋग्वैदिक काल में पूषण एक महत्वपूर्ण देवता थे। पूषण का मुख्य कार्य मार्गो का संरक्षण के रूप में है। वे भटके हुए पशुओं को भी मार्ग दिखाते हैं। ऋग्वैदिक काल में वे पशुओं के देवता थे तथा उत्तर वैदिक काल में वे शूद्रो के देवता हो गए। पूषण का रथ बकरे खीचते है। पूषण विवाह के भी प्रमुख देवता हैं। ऋग्वेद का विवाह सूक्त पूषण को ही समर्पित है।

**30. Who was among the following was the Greek historian contemporary to Alexander?**
**निम्न में से कौन-सा इतिहासकार सिकन्दर के समकालीन था?**

(a) Curtius/कर्टियस
(b) Pliny/प्लिनी
(c) Aristobulus/अरिस्टोबुलस
(d) Justin/जस्टिन

**Ans. (c) :** सिकन्दर का समकालीन इतिहासकार नियार्कस, अरिस्टोबुलस और आनेसिक्रिटस था। टेसियस, हेरोडोटस, स्काईलेक्स आदि सिकन्दर के पहले के इतिहासकार थे जबकि मेगस्थनीज, डायमेकस, जस्टिन, प्लिनी, प्लूटार्क आदि सिकन्दर के बाद के इतिहासकार हैं। इन इतिहासकारों में मेगस्थनीज का महत्वपूर्ण स्थान है जिसकी पुस्तक 'इण्डिका' को आधार बनाकर आगे के इतिहासकार स्ट्रेबो, प्लिनी, जस्टिन आदि ने अपने पुस्तकों की रचना की है।

**31. Which Greek ruler has dipicted the legend 'Kavishiya Nagar Devta' on his conis?**
**किस यूनानी शासक ने 'कविशिये नगर देवता' लेख अपने सिक्कों पर उत्कीर्ण करवाया?**

(a) Menander/मिनाण्डर
(b) Eucratides/यूक्रेटाइडीज
(c) Demetrius/डिमेट्रियस
(d) Euthedemus/यूथीडेमस

**Ans. (b) :** यूक्रेटाइडीज शको का एक महत्वपूर्ण शासक था। कपिशा में प्राप्त उसकी एक महत्वपूर्ण मुद्रा में उसे कपिशा का नगर देवता (कविशिये नगर देवता) कहा गया है। तक्षशिला स्थित सिरकप क्षेत्र सर्वप्रथम इसी शासक के समय उपयोग में लाया गया था। भारत के पश्चिमोत्तर प्रदेश में उसकी यूनानी तथा खरोष्ठी लिपि के सिक्के पाए गए हैं। स्ट्रेबो के अनुसार उसने अपने को बैक्ट्रिया से 1000 नगरों का शासक बना दिया। उसने तक्षशिला को अपनी राजधानी बनाया।

**32. With reference to Achalmenid dynasty consider the following statement and select the correct statements from the code given below :**
**हखामनी राजवंश के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कर, दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन करें:-**

(a) Alexander defeated Darius III in the Battle of Gavgamela/सिकन्दर ने गौगामेला के युद्ध में दारा तृतीय को पराजित किया था।
(b) Arbela lies in modern Iran.
अर्बेला आधुनिक ईरान में स्थित है।
(c) Hamadan and Naqsh-e-Rustam are the inscription of Darius I./हमदान एवं नक्श-ए-रुस्तम दारा प्रथम के अभिलेख हैं।

**CODE : / कूट :**
(a) Only (a) and (b) / केवल (a) एवं (b)
(b) Only (b) and (c) / केवल (b) एवं (c)
(c) Only (a) and (c) / केवल (a) एवं (c)
(d) Only (b) / केवल (b)

**Ans. (c) :** अंतिम पारसिक (ईरानी) सम्राट दारा तृतीय था। सिकन्दर और दारा तृतीय के मध्य 331 ई.पू. में अरबेला (गौगामेला) में युद्ध हुआ। इस युद्ध में सिकन्दर ने दारा तृतीय को बुरी तरह परास्त कर भारत से पारसिक सत्ता की समाप्ति की। अरबेला (गौगामेला) आधुनिक इराक कुर्दिस्तान क्षेत्र में स्थित था। बेहिस्तुन, पार्सिपोलिस, नक्श-ए-रूस्तम और हमदान अभिलेख दारा प्रथम के शासन काल से संबन्धित है।

**33. In which text 'Kshudraka' are mentioned firs?**
**किस ग्रंथ में 'क्षुद्रकों' का उल्लेख पहली बार हुआ है?**

(a) Mahavastu/ महावस्तु
(b) Ganapatha of Panini/ पाणिनी का गणपाठ
(c) Mahabharat/ महाभारत
(d) Mahabhashya of Patanjali/ पतंजलि का महाभाष्य

**Ans. (b) :** क्षुद्रकों का उल्लेख पहली बार पाणिनी के गणपाठ में मिलता है। यवन इतिहासकारों ने संभवतः इन्ही का उल्लेख ओवर्सकोई के रूप में किया है। सिकन्दर के समय क्षुद्रक लोग मालव के पूर्व झेलम और चिनाव के संगम के नीचले भाग में रहते थे। धीरे-धीरे ये लोग राजस्थान की ओर खिसक गए। नोहर (सरदार शहर) से इनके 2 सिक्के मिले हुए है।

**34. Which of the following class of monks had opposing feelings towards Buddha?**
**भिक्षुकों का कौन-सा वर्ग बुद्ध के प्रति विरोधी भावनाएँ रखता था?**

(a) Panch Kondinya / पंच कोंडिन्य
(b) Sapta Nigantha / सप्त निगंठ
(c) Shadavargiya / षड्वर्गीय
(d) Chatwari Sanghdhwaj / चत्वारि संघध्वज

**Ans. (c) :** तत्कालीन समाज में बुद्ध की बढ़ती हुई लोकप्रियता तथा उनके धर्म के प्रति जनसाधारण के आकर्षण को देखकर कुछ लोग बुद्ध से ईर्ष्या करने लगे थे। ऐसे कई लोग बौद्ध संघ में भी थे और बौद्ध संघ के बाहर भी। बुद्ध का पहला प्रबल विरोधी देवदत्त था। इसके अतिरिक्त षड्वर्गीय भिक्षुओं द्वारा भी उनका विरोध किया गया था। इन भिक्षुओं ने संघ के नियम को कभी नही माना। वे प्रगलभ्य और अनुशासनहीन थे।

**35. Which one of the following matches is not correct, was described is Arthasastra as subdivison of administrative unit?**
**अर्थशास्त्र में वर्णित शासन के उपविभागों का निम्नलिखित में से कौन-सा मेल सही नहीं है?**

(a) Sthaniya : Group of 1000 Villages
स्थानीय : 1000 गांवों का समूह
(b) Dronmukh : Group of 400 Villages
द्रोणमुख : 400 गावों का समूह
(c) Kharvatic : Group of 200 Villages
खार्वटिक : 200 गावों का समूह
(d) Sangrahara : Group of 100 Villages
संग्रहण : 100 गांवों का समूह

**Ans. (a and d) :** सही सुमेलन है-

| इकाई | | ग्राम |
|---|---|---|
| स्थानीक | – | 800 ग्रामों का समूह |
| द्रोणमुख | – | 400 ग्रामों का समूह |
| खार्वटिक | – | 200 ग्रामों का समूह |
| संग्रहण | – | 10 ग्रामों का समूह |

नोट- उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग ने इसका उत्तर (a) माना है।

**36. Who was the Vice-Chancellor of Nalanda Mahavihar in ancient India?**
**प्राचीन काल में नालन्दा महाविहार के कुलपति कौन थे?**

(a) Gunamati/ गुणमति
(b) Dipankar/दीपंकर
(c) Sariputra / सारिपुत्र
(d) Sheelbhadra/शीलभद्र

**Ans. (d) :** शिक्षा के केन्द्र के रूप में नालन्दा बौद्ध विहार की स्थापना कुमारगुप्त ने 450 ई. में करवाई थी। नालन्दा में ही ह्वेनसांग 18 माह रहकर योगशास्त्र का अध्ययन किया था। नालन्दा विश्वविद्यालय के सबसे प्रसिद्ध कुलपति शीलभद्र थे जो ह्वेनसांग के समय उस विश्वविद्यालय के कुलपति थे। शीलभद्र एक मात्र आचार्य थे जो सभी संग्रहो के ज्ञाता थे। नालन्दा विश्वविद्यालय में चिकित्साशास्त्र का अध्ययन अनिवार्य होता था।

**37. Which one of the following match is not correct?**
**निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही नहीं है?**

(a) Kapilvastu : Buli / कपिलवस्तु : बुलि
(b) Pipplivan : Maurya / पिप्पलीवन : मौर्य
(c) Pava : Malla / पावा : मल्ल
(d) Sunsumar : Bhagga / सुंसुमार : भग्ग

**Ans. (a) :** सही सुमेलन है–

| **क्षेत्र** | | **गणराज्य** |
|---|---|---|
| कपिलवस्तु | – | शाक्य |
| पिप्पलीवन | – | मोरिय (मौर्य) |
| पावा | – | मल्ल |
| सुंसुमार | – | भग्ग |

**38. From which of the following texts there is a mention of Chetak forming a union with the kings of Kashi and Kosal against Ajatsharu?**
**निम्नलिखित में से किस ग्रंथ से चेटक द्वारा अजातशत्रु के विरुद्ध काशी और कोशल के राजाओं के साथ मिलकर संघ बनाने का उल्लेख है?**

(a) Aavashyak Charni / आवश्यक चूर्णि
(b) Harivansh Purana / हरिवंश पुराण
(c) Aradhana Katha Kosh / अराधना कोष
(d) Niryavali Sutta / निर्यावली सूत्त

**Ans. (d) :** जैन ग्रंथ निर्यावली सूत्त के अनुसार वज्जि संघ के प्रमुख चेटक ने अजातशत्रु के विरुद्ध काशी और कोशल के राजाओं के साथ मिलकर एक संघ बनाया हुआ था। इस संघ में काशी और कोशल के 18 राज्य तथा 18 अन्य राज्यों सहित कुल 36 राज्य शामिल थे। अजातशत्रु द्वारा वज्जि संघ के पूर्ण विनाश की प्रतिज्ञा का उल्लेख महावग्ग में मिलता है। मगध और वैशाली (वज्जि) के बीच 16 वर्ष तक संघर्ष चला और अंत में मगध नरेश अजातशत्रु की विजय हुई।

**39. Who was a women, Trithankar according to Svetambaras ?**
**श्वेताम्बरों के अनुसार महिला तीर्थंकर कौन थी?**

(a) Adinatha/ आदिनाथ
(b) Neminatha / नेमिनाथ
(c) Mallinatha/ मल्लिनाथ
(d) Parshvanatha/ पार्श्वनाथ

**Ans. (c) :** श्वेताम्बर परंपरा के अनुसार जैन धर्म के 19वें तीर्थंकर मल्लिनाथ, जिनका प्रतीक चिह्न कलश था, एक महिला तीर्थंकर थी जबकि दिगंबर परंपरा मल्लिनाथ को पुरूष तीर्थंकर मानता है। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव थे जिनका प्रतीक चिह्न वृषभ था। जैन धर्म के प्रथम ऐतिहासिक तीर्थंकर जिनकी प्रमाणिकता सिद्ध हो चुकी है वे 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ है जिनका प्रतीक चिह्न सर्प है। जैन धर्म के अंतिम और सबसे विख्यात तीर्थंकर महावीर थे जिनका प्रतीक चिह्न सिंह है।

**40. On which of the Ashokan Rock edict, image of elephant engraved with epigraph 'Gajatame'?**
**अशोक के किस शिलालेख के शीर्ष पर गज की आकृति के उत्कीर्णन के साथ 'गजतमे' लेख अंकित है?**

(a) Mansehra / मानसेहरा (b) Girnar / गिरनार
(c) Kalsi / कालसी (d) Dhauli / धौली

**Ans. (c) :** अशोक के कालसी शिलालेख के शीर्ष पर गज की आकृति के उत्कीर्णन के साथ 'गजतमे' लेख अंकित है। अशोक का कालसी शिलालेख उत्तराखण्ड के देहरादून मे स्थित है जिसकी खोज 1860 ई0 में फोरेस्ट महोदय ने किया। अशोक के कुल 14 वृहद शिलालेख 10 स्थलों से प्राप्त हुए है। सन्नति शिलालेख अशोक का खोजा गया सबसे नवीन शिलालेख है जिसे 1989 ई0 में गुलबर्गा कर्नाटक से खोजा गया है।

**41. Which one of the following inscription is written in'Balivarda' Style?**
**निम्नलिखित में से कौन-सा अभिलेख 'बलिवर्द' शैली में लिखा गया है?**

(a) Shar-i- Kuna inscription / शार-इ-कुना अभिलेख
(b) Eragudi inscription / एरागुडि अभिलेख
(c) Nigali Sagar inscription / निगाली सागर अभिलेख
(d) Rumminidei inscription / रुम्मिनिदेई अभिलेख

**Ans. (b) :** अशोक का एर्रागुड़ी अभिलेख 'बलिवर्द' शैली में लिखा गया है। एर्रागुड़ी अभिलेख आंध्र प्रदेश के कुर्नूल जिले में है जिसकी खोज 1929 ई. में अणुघोष ने की थी। एर्रागुड़ी से वृहद शिलालेख के अलावा लघु शिलालेख भी मिला है। एर्रागुड़ी लेख की लिपि दाएं से बाएं मिलती है। यह लिपि ठीक उसी प्रकार है जिस प्रकार बैल खेत को दाएं से बाएं जोतते हैं। इसीलिए इस लेख को 'बलिवर्द' शैली का लेख कहा जाता है।

**42. The 'Kupyadhyaksha' in Mauryan administratiton was an office – in charge of :**
**मौर्य प्रशासन में 'कुपाध्यक्ष' प्रभारी अधिकारी थे :**

(a) Transport resources / परिवहन संसाधन
(b) Agriculture resources / कृषि संसाधन
(c) Water resources / जल संसाधन
(d) Forest resources / वन संसाधन

**Ans. (d) :** कौटिल्य के अर्थशास्त्र में 26/27 प्रकार के अध्यक्षों का उल्लेख मिलता है जो विभिन्न विभाग के स्वामी होते थे एवं मंत्रियों के अधीन कार्य करते थे। इनमें पण्याध्यक्ष (वाणिज्य का अध्यक्ष), कुप्याध्यक्ष (वन संसाधन का अध्यक्ष), पौतवाध्यक्ष (माप-तौल का अध्यक्ष), सीताध्यक्ष (राजकीय भूमि का अध्यक्ष), विविताध्यक्ष (चारागाहों का अध्यक्ष), मुद्राध्यक्ष (पासपोर्ट अधिकारी) आदि प्रमुख थे।

**43. How many Adhikarana and Shlokas in Kautilya Arthasastra?**
**कौटिल्य के अर्थशास्त्र में कितने अधिकरण और श्लोक हैं?**

(a) 15 Adhikaran and 6000 Shlokas
15 अधिकरण और 6000 श्लोक
(b) 10 Adhikaran and 5000 Shlokas
10 अधिकरण और 5000 श्लोक
(c) 20 Adhikaran and 3000 Shlokas
20 अधिकरण और 3000 श्लोक
(d) 12 Adhikaran and 6000 Shlokas
12 अधिकरण और 6000 श्लोक

**Ans. (a) :** अर्थशास्त्र की भाषा संस्कृत है। यह गद्य-पद्य मिश्रित है तथा सूत्र शैली अथवा ग्रंथ शैली में लिखा गया है। इसमें 6000 श्लोक, 15 अधिकरण तथा 180 प्रकरण है। कौटिल्य ने हिन्दू राजशासन पर प्राचीनतम पुस्तक अर्थशास्त्र का प्रणयन किया। 1905 ई. में प. शामशास्त्री द्वारा अर्थशास्त्र की पहली पाण्डुलिपि खोजी गयी। 1915 ई. में अर्थशास्त्र का प्रथम अंग्रेजी अनुवाद उपलब्ध हुआ।

**44. According to the Rabatak Inscription, Kanishka commanded an officer to construct a temple, where in images of the goddess Nana and several other deities were to be installed. Who was that officer?**
**रबताक अभिलेख के अनुसार कनिष्क ने अपने एक अधिकारी को एक मंदिर के निर्माण का आदेश दिया, जहाँ 'नाना' देवी एवं अन्य देवी देवताओं की प्रतिमाओं को स्थापित करना था। वह अधिकारी कौन था?**

(a) Nokonzoka / मोकोनजोका
(b) Abdagases / अबदागेसस
(c) Ganapto / गनपतो
(d) Shaphara /शफर

**Ans. (d) :** रबातक अभिलेख के अनुसार कनिष्क ने अपने एक अधिकारी शफर को एक मंदिर के निर्माण का आदेश दिया, जहाँ 'नाना' देवी एवं अन्य देवी देवताओं की प्रतिमाओं को स्थापित करना था। अफगानिस्तान के 'काफिर का किला' नामक पहाड़ी से 1993 ई0 में रबातक अभिलेख की खोज की गयी। बैक्ट्रियन भाषा एवं यूनानी लिपि में लिखित इस अभिलेख का प्रथम संपादन एवं अनुवाद निकोलस सिम्स विलियम्स एवं जो क्रिब ने किया था।

**45. Match List I with List II and Select the correct answer from the codes given below :**

| | List I | | List II |
|---|---|---|---|
| | **Ancient sites** | | **Manuments** |
| **(a)** | **Amravati** | **(i)** | **Temple** |
| **(b)** | **Bhaja** | **(ii)** | **Rock art painting** |
| **(c)** | **Bhubneshwar** | **(iii)** | **Stupa** |
| **(d)** | **Bhimbetka** | **(iv)** | **Rock cut cave** |

**सूची I का सूची II से मिलान कर दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन करें –**

| | सूची I | | सूची II |
|---|---|---|---|
| | **प्राचीन स्थल** | | **स्मारक** |
| **(a)** | **अमरावती** | **(i)** | **मंदिर** |
| **(b)** | **भाजा** | **(ii)** | **शैलचित्र कला** |
| **(c)** | **भुवनेश्वर** | **(iii)** | **स्तूप** |
| **(d)** | **भीमबेटका** | **(iv)** | **शैलकृत गुफा** |

**Code : / कूट :**
(A) (a)-(i), (b)-(ii), (c)-(iii), (d)-(iv)
(B) (a)-(ii), (b)-(iv), (c)-(i), (d)-(iii)
(C) (a)-(iii), (b)-(iv), (c)-(i), (d)-(ii)
(D) (a)-(ii), (b)-(iii), (c)-(i), (d)-(iv)

**Ans. (c) :** सही सुमेलन है–

| प्राचीन स्थल | | स्मारक |
|---|---|---|
| अमरावती | – | स्तूप |
| भांजा | – | शैलकृत गुफा |
| भुवनेश्वर | – | मंदिर |
| भीमबेटका | – | शैलचित्र कला |

**46. Who introduced 'Oesho' types of coins?**
**'ओयशो' प्रकार की मुद्रा किसने चलाई थी?**

(a) Vima Kadphises / विमकडफाइसेस
(b) Kujul Kadphises / कुजुलकडफाइसेस
(c) Vasudeva /वासुदेव
(d) Kanishka / कनिष्क

**Ans. (d) :** कनिष्क ने मुख्यतया स्वर्ण और ताम्र मुद्राएं जारी की। उसने अपनी मुद्राओं पर ग्रीक लिपि एवं यूनानी भाषा को अपनाया। कनिष्क की मुद्राओं पर इरानी, यूनानी तथा भारतीय देवी-देवताओं की आकृतियाँ उत्कीर्ण हैं। इसमें प्रमुख हैं मिइरो एवं माओ (पारसीक सूर्य एवं चन्द्र) हेलियॉस तथा शालिनी (यूनानी सूर्य एवं चन्द्र), आयशो (पारसीक अग्निदेव), ओयशो (भारतीय देव शिव) एवं बौद्धों (बुद्ध)। कनिष्क की मुद्राओं पर 'शाक्यमुनि बुद्ध' का अंकन हुआ है।

**47. 'Dharan' and 'Puran' are indeitified with which of the followings?**
**'धरण' और 'पुराण' को निम्नलिखित में से किसके रूप में पहचान जाता है?**

(a) Literature/ साहित्य
(b) Beads/ मनके
(c) Coins / मुद्राएं
(d) Instruments of weights / तॉल के यंत्र

**Ans. (c) :** धरण और पुराण प्राचीन काल की आहत मुद्राएं थी। पुराण एवं धरण का आहत मुद्रा के रूप में उल्लेख मनुस्मृति में हुआ है। पालि साहित्य में आहत मुद्राओं को काहापण तथा संस्कृत में कर्षापण कहा गया है। आहत मुद्राओं को कौटिल्य ने पण तथा कात्यायन ने प्रति नाम से पुकारा है। आहत मुद्राओं का प्राचीनतम ढेर उत्तर भारत के पूर्वी उत्तर प्रदेश एवं मगध से मिले है।

**48. A Ship with two poles (mast) has been depicted on the coins of following ruler :**
**'दो मस्तूल वाला जहाज' निम्न राजा के सिक्कों पर अंकित प्राप्त होता है-**

(a) Vasishthiputra Pulumavi / वाशिष्ठीपुत्र पुलुमावी
(b) Vedshri Satkarni / वेदश्री सातकर्णी
(c) Yagyashri Satkarni / यज्ञश्री सातकर्णी
(d) Pulumavi IV / पुलुमावी चतुर्थ

**Ans. (c) :** 'दो मस्तूल वाला जहाज' का अंकन यज्ञश्री शातकर्णी के सीसे के सिक्के पर पाया गया है। वैसे जहाज का अंकन वाशिष्ठी पुत्र पुलुमावी के सिक्कों पर भी पाया जाता है। सातवाहनों ने सोने का सिक्का नहीं चलाया। सातवाहनों के सिक्के ताँबा, सीसा, चाँदी, पोटिन और काँसे के मिले हैं। सातवाहन मुद्राओं पर राज सिर, पाँच पत्तियों वाला चैत्य वृक्ष, उज्जैन-चिन्ह, मत्स्य युक्त नंदी, श्रीवत्स तथा स्वास्तिक का अंकन मिलता है। सातवाहनों की अधिकांश मुद्राएं सीसे की बनी हुई थी।

**49. Who inscribed 'Metric legend' on his coins for the first time?**
**पहली बार किसने अपनी मुद्राओं पर छन्दोबद्ध मुद्रालेख उत्कीर्ण करवाया था?**

(a) Kanishka / कनिष्क
(b) Samudragupta / समुद्रगुप्त
(c) Chandragupta I / चन्द्रगुप्त I
(d) Ramgupta /रामगुप्त

**Ans. (b) :** गुप्त शासकों ने सर्वप्रथम अपनी मुद्राओं पर छन्दोबद्ध मुद्रालेख उत्कीर्ण करवाना शुरू किया। गुप्त शासकों में समुद्रगुप्त ही वह पहला शासक था जिसकी मुद्राओं पर छन्दोबद्ध मुद्रा लेख का उत्कीर्णन पाया जाता है। प्राचीन भारतीय इतिहास में गुप्त शासकों ने सर्वाधिक सोने के सिक्के जारी किए। यहाँ ध्यातव्य है कि गुप्त सोने के सिक्के तौल एवं मान में कुषाण स्वर्ण सिक्कों से तो भारी थे किन्तु गुप्त सोने के सिक्कों में स्वर्ण की मात्रा कुषाणों की तुलना में कम थी।

**50. Match List I with List II and Select the correct answer from the codes given below :**

| **List I Author** | | **List II Books** |
|---|---|---|
| **(a) Bhatrimenth** | **(i)** | **Kavyadarsh** |
| **(b) Dandin** | **(ii)** | **Hayagreeva** |
| **(c) Ishwar Krishna** | **(iii)** | **Sankhyakarika** |
| **(d) Bharatrahari** | **(iv)** | **Shringarshatak** |

**सूची I को सूची II से सुमेलित करते हुए दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन करें :**

| **सूची I लेखक** | | **सूची II पुस्तक** |
|---|---|---|
| **(a) भतृमेण्ठ** | **(i)** | **काव्यादर्श** |
| **(b) दण्डिन** | **(ii)** | **हयग्रीव** |
| **(c) ईश्वरकृष्ण** | **(iii)** | **सांख्यकारिका** |
| **(d) भर्तृहरि** | **(iv)** | **शृंगारशतक** |

**Code : / कूट :**

(A) (a)-(i), (b)-(ii), (c)-(iii), (d)-(iv)
(B) (a)-(ii), (b)-(i), (c)-(iii), (d)-(iv)
(C) (a)-(i), (b)-(iv), (c)-(ii), (d)-(iii)
(D) (a)-(ii), (b)-(iii), (c)-(iv), (d)-(i)

**Ans. (b) :** सही सुमेलन है–

| **लेखक** | | **पुस्तक** |
|---|---|---|
| भर्तृमेण्ठ | – | हयग्रीव (हयग्रीव वध) |
| दण्डिन | – | काव्यादर्श |
| ईश्व रकृष्ण | – | सांख्यकारिका |
| भर्तृहरि | – | शृँगारशतक |

**51. Which Gupta rulers have 'Chamar-dharini' mark on his/their coins?**
**किस गुप्त शासक/शासकों के सिक्के पर 'चामरधारिणी' का अंकन है?**

(a) Samudragupta / समुद्रगुप्त
(b) Kumargupta I / कुमारगुप्त प्रथम
(c) Both (a) and (b) / (a) एवं (b) दोनों
(d) only (a)/ केवल (a)

**Ans. (c) :** गुप्त शासकों के सिक्कों पर चामरधारिणी का अंकन मिलता है। गुप्त शासकों में समुद्रगुप्त और कुमारगुप्त प्रथम दोनों के सिक्कों पर चामरधारिणी का अंकन पाया जाता है। समुद्रगुप्त ने कुल 6 प्रकार की स्वर्ण मुद्राए जारी की है। जिसमें गरुड़ ध्वज मुद्रा सर्वाधिक प्रचलित मुद्रा थी। इसी प्रकार कुमारगुप्त ने सर्वाधिक 14 प्रकार की स्वर्ण मुद्राए जारी की। जिसमें अप्रतिघ, मयूर कर्तिकेय आदि प्रकार की मुद्राए उसकी नवीन मुद्राए थी।

**52. Harsh Charita is divided into the chapters, known as :**
**हर्षचरित अध्यायों में विभक्त हैं, जिन्हें कहा जाता है-**

(a) Uchchhavasa / उच्छवास
(b) Adhikarana / अधिकरण
(c) Sarga / सर्ग
(d) Taranga / तरंग

**Ans. (a) :** हर्ष चरित में कुल 8 अध्याय है जिन्हें 'उच्छवास' कहा जाता है। प्रथम 3 उच्छ्वासों में बाण की आत्मकथा लिखी गयी है। चतुर्थ उच्छ्वास में हर्ष का बचपन व राज्यश्री के विवाह का वर्णन है, पाँचवे में प्रभाकरवर्धन की मृत्यु का वर्णन है। छठें उच्छ्वास में राज्यवर्धन की मृत्यु व हर्ष की प्रतिज्ञा का वर्णन है, 7वें में हर्ष की दिग्विजय यात्रा का वर्णन तथा 8वें उच्छ्वास में राज्यश्री की खोज का विवरण दिया गया है।

**53. From which place in China the Chinese traveller Fa-hyan came to India?**
**चीनी यात्री फाह्यान चीन के किस स्थान से भारत आया था?**

(a) Vu-yang/ वु-यंग
(b) Vu-han/ वु-हान
(c) Bezing/ बीजिंग
(d) Pe-ching/ पेकिंग

**Ans. (a) :** चीनी यात्री फाह्यान का जन्म चीन के वु-यंग नामक शहर में हुआ तथा उसका मूल नाम कुण्ड था। भारत यात्रा की शुरुआत उसने चंगन से की। फाह्यान मध्य एशिया के स्थल मार्ग से 399ई. में भारत आया तथा 14 वर्ष तक भ्रमण करने के पश्चात 414ई. में जलमार्ग से लंका तथा जावा होते हुए अपने देश लौट गया। फाह्यान का यात्रा विवरण 'फो क्यो की' नाम से विख्यात है। फाह्यान ने पाटलिपुत्र में 3 वर्ष रहकर संस्कृत भाषा सिखी थी।

**54. From where, the depiction of sacrifice (yajna) by king Bali is noticed in the sculptural ar of Gupta period?**
**गुप्त युगीन मूर्ति-शिल्प में राजा बलि द्वारा यश के सम्पादन का अंकन कहाँ से ज्ञात है?**

(a) Vidisha / विदिशा
(b) Nachna-Kuthra / नचना-कुठारा
(c) Pawaya / पवाया
(d) Dashpur / दशपुर

**Ans. (c) :** गुप्त युगीन मूर्ति-शिल्प में राजा बलि द्वारा यश के संपादन का अंकन पवाया की मूर्ति कला से ज्ञात होता है। गुप्तकालीन नचना कुठार के पार्वती मंदिर के दीवार पर मिथुन चित्र उत्कीर्ण है। इस मंदिर में शिव-पार्वती संगीत वाद्यों के साथ उत्कीर्ण किए गए है। नचना कुठार मंदिर बौद्ध चैत्यशालाओं की विशेषता लिए हुए है। गुप्त काल में मूर्ति शिल्प का प्रमुख केन्द्र मथुरा सारनाथ और पाटलिपुत्र था।

**55. Arrange the following coins in chronological order and select the correct answer from the code give below :**
**निम्नलिखित सिक्कों को कालक्रमानुसार व्यवस्थित कर दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन करें :**

**(i) Apratigh type of coins**
**अप्रतिघ प्रकार के सिक्के**

**(ii) Archer types of coins**
**धनुर्धारी प्रकार के सिक्के**

(iii) **Couch types of coins**
**सिंहासन प्रकार के सिक्के**

(iv) **Standard types of coins**
**ध्वजधारी प्रकार के सिक्के**

(a) (iv), (ii), (iii), (i) (b) (i), (ii), (iv), (iii)
(c) (iii), (i), (ii), (iv) (d) (ii), (iv), (i), (iii)

**Ans. (a) :** प्रश्नानुसार दिए गए सिक्कों का सही क्रम है- ध्वजधारी प्रकार के सिक्के, धनुर्धारी प्रकार के सिक्के, सिंहासन प्रकार के सिक्के और अप्रतिघ प्रकार के सिक्के। यहाँ ध्यातव्य है कि एक ही प्रकार के सिक्के कई शासकों ने जारी किए है जैसे- धनुर्धारी प्रकार के सिक्के, समुद्रगुप्त, चन्द्रगुप्त II आदि शासकों ने जारी किए है। अप्रतिघ प्रकार के सिक्के कुमारगुप्त I ने जबकि अप्रतिघत प्रकार के सिक्के समुद्रगुप्त ने जारी किए है।

**56. Who was the king of Sindh in he period of ealry invasion of Arabs?**
**सिंधु पर आरंभिक अरब आक्रमण के समय वहाँ का शासक कौन था?**

(a) Dahir/ दाहिर (b) Junaid/ जुनैद
(c) Chacha/ चच (d) Jayasingha/ जयसिंह

**Ans. (a) :** सिंध पर आरम्भिक अरब आक्रमण के समय सिंध का शासक दाहिर था तथा अरोर उसकी राजधानी थी। सिंध पर अरबों का प्रथम सफल आक्रमण मुहम्मद बिन कासिम के नेतृत्व में 712 ई. में हुआ। सिंध पर अरब आक्रमण की जानकारी अरबी में लिखी चचनामा नामक ग्रंथ से मिलती है। इस ग्रंथ का फारसी अनुवाद अबूबकर कूफी द्वारा किया गया है।

**57. Where is the most beautiful and famous scene of 'Siva-Parvati Parinaya' of Rashtrakuta art depicted?**
**राष्ट्रकूट कला का अत्यंत सुन्दर और सुप्रसिद्ध शिव-पार्वती परिणय का दृश्य कहाँ अंकित है?**

(a) Manyakheta/मान्यखेट
(b) Ellora/ एलोरा
(c) Elephanta/ एलिफेन्टा
(d) Radhanpur/ राधनपुर

**Ans. (b & c) :** राष्ट्रकूट कला का अत्यन्त सुन्दर और सुप्रसिद्ध शिव-पार्वती परिणय का दृश्य एलोरा और एलिफेन्टा में पाया जाता है। एलोरा में कुल 34 गुफा मंदिर है। गुफा संख्या 1-12 बौद्ध, गुफा संख्या 13-29 शैव, गुफा संख्या 30-34 जैन गुफाएँ हैं। एलोरा मे ही कृष्ण प्रथम द्वारा निर्मित कैलाशनाथ मंदिर स्थित है जो पाषाण को काटकर निर्मित सबसे प्रसिद्ध मंदिर है। एलिफैण्टा द्वीप मुम्बई के समीप स्थित है। यह गुफा समूह मुख्यतः शैव धर्म से संबंधित है। उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर (b) माना है।

**58. Who was the author of the historical biography of Pala ruler Rampal, titled Ramacharit?**
**पाल शासक रामपाल का ऐतिहासिक जीवन वृत्त 'रामचरित' किसने लिखी थी?**

(a) Somaprabhacharya / सोमप्रभाचार्य
(b) Sandhyakarnandin / संध्याकर नन्दिन्
(c) Hemchandra / हेमचन्द्र
(d) Padmagupta / पद्मगुप्त

**Ans. (b) :** पाल शासक रामपाल का ऐतिहासिक जीवन वृत्त रामचरित की रचना संध्याकर नन्दिन ने किया है। संध्याकर नन्दिन ने इस ग्रंथ में स्वयं को कलियुग का बाल्मीकि (कालिकाल वाल्मीकि) तथा रामपाल को राम कहा है। यह ग्रंथ द्विअर्थी (श्लेष) प्रकार से लिखा गया ग्रंथ का उदाहरण है। रामचरित में कैवर्तो के नेता भीम को पराजित करने का उल्लेख है। यहाँ उल्लेखनीय है कि संन्ध्याकर नन्दिन का पिता प्रजापति नन्दिन रामपाल का संधि विग्रहिक रह चुका था।

**59. In Eastern India Vikramshila Mahavihar was the main centre of which sect of Budhism?**
**पूर्वी भारत में विक्रमशिला महाविहार बौद्धधर्म के किस सम्प्रदाय का प्रधान केन्द्र था?**

(a) Vaibhashika / वैभाषिक
(b) Vijnanvada / विज्ञानवाद
(c) Vajrayana / वज्रयान
(d) Shunyavada / शून्यवाद

**Ans. (c) :** विक्रमशिला के महाविहार की स्थापना पाल शासक धर्मपाल ने की थी तथा देवपाल के समय इसका विकास हुआ। यहाँ 6 महाविद्यालय थे तथा प्रत्येक महाविद्यालय में 108 शिक्षक नियुक्त थे। महाविद्यालय के केन्द्रीय कक्ष को विज्ञान भवन कहा जाता था। यह विश्वविद्यालय मूलतः बौद्ध धर्म के वज्रयान सम्प्रदाय के शिक्षा के लिए विशेष प्रतिष्ठित था। यहाँ के सर्वाधिक ख्याति प्राप्त कुलपति दीपंकर श्रीज्ञान आतिश थे।

**60. 'Tolkappiyam' a sangam literature text related to which aspect?**
**संगम साहित्य ग्रंथ 'तोलकप्पियम' किस विद्या से संबंधित है?**

(a) Political History / राजनीतिक इतिहास
(b) Fine Arts / ललित कला
(c) Poetry / कविता
(d) Grammer / व्याकरण

**Ans. (d) :** तोल्कापियम द्वितीय संगम का एकमात्र उपलब्ध प्राचीनतम संगम साहित्य है। इसके रचनाकार तोल्कापियर अगस्त्य ऋषि के 12 शिष्यों में से एक थे। यह तमिल व्याकरण ग्रंथ है जो सूत्र शैली में रचित है। संगम काल के 3 महत्वपूर्ण महाकाव्य ग्रंथ उपलब्ध है जो शिलापदिकारम् (लेखक-इलंगो आदिगल) मणिमेखलै (लेखक-सीतलैसत्नार) और जीवकचिन्तामणि (लेखक तिरुतक्कदेवर) हैं।

**61. Which one of the following excavated sites has furnished the evidence regarding trade between South India and Roman World?**
**निम्नलिखित उत्खनित स्थलों में से कहाँ से दक्षिण भारत और रोमन जगत के बीच व्यापारिक संबंधों के साक्ष्य मिले हैं?**

(a) Arikamedu / अरिकामेडु
(b) Nagarjunikonda / नागार्जुनीकोण्डा
(c) Hallur / हल्लूर
(d) Maski / मास्की

**Ans. (a) :** अरिकामेडु भारतीय सामुद्रिक व्यापार का महत्वपूर्ण केन्द्र था। 1945 ई. में मॉर्टिमर ह्वीलर ने सर्वप्रथम इसकी खुदाई की। अरिकामेडु से दक्षिण भारत और रोमन जगत के बीच विकसित व्यापारिक संबंध के साक्ष्य मिले हैं। यहाँ से रोमन सिक्के, रोमन बस्ती, रोमन एम्फोरा तथा रोमन एरेटाइन मृदभाण्ड ऑगस्टस की आकृति अंकित रत्न प्राप्त हुए हैं। अरिकामेडु को पेरिप्लस में पोडुके नाम से संबोधित किया गया है।

62. **The first person of Gurjara Pratihar dynasty, 'Harichandra' is mentioned in which inscription?**
**गुर्जर प्रतिहार राजवंश के प्रथम पुरुष 'हरिचन्द्र' का उल्लेख किस अभिलेख में किया गया है?**
(a) Gwalior Prashasti of Mihirbhoj
मिहिरभोज की ग्वालियर प्रशस्ति
(b) Jodhapur Inscripttion of Bauk
बाउक का जोधपुर अभिलेख
(c) Radhanpur Inscription of Govinda III
गोविन्द तृतीय का राधनपुर अभिलेख
(d) Aihole Inscription of Pulkeshin II
पुलकेशिन द्वितीय का एहॉल अभिलेख

**Ans. (b) :** गुर्जर प्रतिहार राजवंश के प्रथम पुरुष हरिश्चन्द्र का उल्लेख बाउक के जोधपुर अभिलेख में किया गया है। वैसे मिहिरभोज के ग्वालियर प्रशस्ति में भी प्रतिहारो की वंशावली मिलती है लेकिन ग्वालियर प्रशस्ति की शुरुआत नागभट्ट प्रथम से होती है। इस अभिलेख में हरिश्चन्द्र का उल्लेख नहीं है। ग्वालियर अभिलेख में प्रतिहार वंश को राम के भाई लक्ष्मण का वंशज तथा विशुद्ध क्षत्रिय कहा गया है।

63. **Which one of the following was not the translator of Buddhist literature in China after Kumarjeev?**
**चीन में कुमारजीत के बाद बौद्ध ग्रंथों का अनुवाद निम्न में से किसने नहीं किया था?**
(a) Punyatrat / पुण्यत्रात
(b) Budhayashas/ बुद्धयशस
(c) Dharmayashas / धर्मयशस
(d) Shantrakshit / शांतरक्षित

**Ans. (d) :** चीन में कुमारजीत के बाद बौद्ध ग्रंथो का अनुवाद शांतिरक्षित ने नहीं किया। चीन जाने वाले भारतीयों में कुमारजीव सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति थे। कुमारजीव ने चीन में चीनी भाषा में अश्वघोष का जीवन चरित लिखा। 413ई. में हांगान में उनकी मृत्यु हो गयी जहाँ भारतीय रीति-रिवाज से उनका अंतिम संस्कार हुआ। कुमारजीव को कालान्तर में चीन का राष्ट्रगुरु घोषित किया गया। कुमारजीव के बाद चीन जाने वाले विद्वानों में धर्मयशस, बुद्धयशस, पुण्यत्रात, परमार्थ, बोधिरुचि आदि प्रमुख थे।

64. **Match List I with List II and Select the correct answer from the codes given below :**

| | List I<br>Temples | | List II<br>Locaiton |
|---|---|---|---|
| (a) | Hoysaleshwar | (i) | Hampi |
| (b) | Kumbhalshyam | (ii) | Chittore |
| (c) | Srinaganam | (iii) | Halebid |
| (d) | Vijayavittala | (iv) | Tiruchirapalli |

**सूची I को सूची II से सुमेलित करते हुए दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन करें :**

| | सूची I<br>मंदिर | | सूची II<br>स्थान |
|---|---|---|---|
| (a) | होयसलेश्वर | (i) | हम्पी |
| (b) | कुम्भलश्याम | (ii) | चित्तौड़ |
| (c) | श्रीरंगम | (iii) | हलेविड |
| (d) | विजयविट्ठल | (iv) | तिरुचिरापल्ली |

**Code : / कूट :**
(A) (a)-(ii), (b)-(iii), (c)-(iv), (d)-(i)
(B) (a)-(iv), (b)-(ii), (c)-(i), (d)-(iii)
(C) (a)-(iii), (b)-(ii), (c)-(iv), (d)-(i)
(D) (a)-(iv), (b)-(i), (c)-(ii), (d)-(iii)

**Ans. (c) :** सही सुमेलन है-

| सूची I<br>मंदिर | सूची II<br>स्थान |
|---|---|
| होयसलेश्वर | हलेविड |
| कुम्भलश्याम | चित्तौड़ |
| श्रीरंगम् | तिरुचिरापल्ली |
| विजयविट्ठल | हम्पी |

65. **In the Dharmashastra, which term is used for women, when the husband is stay out?**
**धर्मशास्त्रों में पति के प्रवास में रहने की स्थिति में स्त्रियों के लिए किस पद (शब्द) का प्रयोग किया गया है?**
(a) Proshit-bhartika or Proshitapatika / प्रोषितभर्तिका अथवा प्रोषितपतिका
(b) Mrita-bhartika / मृतभर्तृका
(c) Sadyovadhu / सद्योवधु
(d) Brahma-vadini / ब्रह्मावादिनी

**Ans. (a) :** धर्मशास्त्रों में पति के प्रवास में रहने की स्थिति में स्त्रियों के लिए प्रोषितभर्तिका अथवा प्रोषितपतिका शब्द का प्रयोग किया गया है। ऐसी स्त्रियाँ जिनका पति प्रवास से आने वाला हो उनके लिए आगतपतिका शब्द का प्रयोग धर्म शास्त्रों में किया गया है। आगे चलकर विभिन्न स्मृतिकारों ने स्त्रियों को स्त्रीधन सहित कई अधिकार की वकालत की। स्त्रियों के अधिकारों के संबंध में सबसे उदार व्याख्या याज्ञवल्क्य ने किया है।

66. **Arrange the following parts of the architecture of Khajuraho temple in descending order and select the correct answer from the code give below :**
**खजुराहों के मंदिर वास्तुकला के निम्नलिखित भागों को अवरोही क्रम में व्यवस्थित करते हुए दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन करें :**
(i) Jagati/ जगति
(ii) Amalaka/ आमलक
(iii) Kalash / कलश
(iv) Adhishthan / अधिष्ठान

**Code : / कूट:**
(a) (i), (iv), (ii), (iii)
(b) (iii), (ii), (i), (iv)
(c) (iii), (ii), (iv), (i)
(d) (iv), (i), (ii), (iii)

**Ans. (c) :** खजुराहों के मंदिर वास्तु कला के विभिन्न भागों का अवरोही क्रम कलश, आमलक, अधिष्ठान और जगति है। कलश मंदिर का सबसे ऊपरी भाग होता था जहाँ कलशनुमा आकृति स्थापित की जाती थी। कलश के नीचे आमलक होता था जो गोलाकार होता था। जगति एक प्रकार से मंदिर की नीव होती थी और जगति के उपर का भाग अधिष्ठान कहलाता था। उच्चतर शिक्षा चयन आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर b दिया है।

67. **Who was the author of 'Kuttanimata'?**
**'कुट्टनीमत' के लेखक कौन थे?**
(a) Damodargupta / दामोदरगुप्त
(b) Lakshmidhar / लक्ष्मीधर
(c) Mahendraverma / महेन्द्रवर्मा
(d) Devagana / देवगण

**Ans. (a) :** कुट्टनीमत का लेखक दामोदरगुप्त था। दामोदरगुप्त कश्मीर के कार्कोट वंश का अंतिम शक्तिशाली शासक विनयादित्य जयापिण्ड के दरबार में रहता था। इस पुस्तक की रचना वेश्याओं को कामशास्त्र की शिक्षा देने के लिए किया गया था। यह काव्य अपनी मधुरिमा, शब्दसौष्ठव तथा अर्थगंभीर के लिए आलोचना जगत में काफी विख्यात है परन्तु कवि का वास्तविक उद्देश्य सज्जनों को कुट्टनी के हथकण्डों से बचाना है।

68. **"All history is the history of thought", who said?**
**'सम्पूर्ण इतिहास, विचार धारा का इतिहास है' किसका कथन था?**
(a) Charles Firth / चार्ल्स फर्थ
(b) Collingwood / कॉलिंगवुड
(c) Reneir / रेनियर
(d) Walte Releigh / वाल्टर रेले

**Ans. (b) :** प्रसिद्ध इतिहासकार कॉलिंगवुड का कथन है कि 'सम्पूर्ण इतिहास विचारधारा का इतिहास है'। क्रोचे का कथन है कि 'सम्पूर्ण इतिहास वर्तमान इतिहास है'। ई.एच. कार का कथन है कि 'इतिहास वास्तव में एक विज्ञान है'। जबकि गेरेन्शिकी का मानना है कि 'इतिहास को विज्ञान मानना गलत है'। कार्लबेकर का मानना है कि 'प्रत्येक व्यक्ति स्वयं अपना इतिहासकार होता है। ओकसाट् का मानना है कि 'इतिहास, इतिहासकार का अनुभव है'।

69. **With reference to historical research which of the following statements is not correct? Select the correct answer from the code given below :**
**ऐतिहासिक शोध के संदर्भ में कौन-सा कथन सत्य है? नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन करें :**
**(1) Historical research is concerned with the scientific analysis of the historical problems./ऐतिहासिक अनुसंधान का संबंध ऐतिहासिक समस्याओं के वैज्ञानिक विश्लेषण से है।**
**(2) Historical research analyses the past. ऐतिहासिक अनुसंधान अतीत का विश्लेषण करता है।**
**(3) Historical research should always use inscriptions/ऐतिहासिक शोध को सदैव अभिलेखों का प्रयोग करना चाहिये।**
**Code : / कूट :**
(a) Only (1) / केवल (1) सही है
(b) Only (2) / केवल (2) सही है
(c) Both (1) and (2) / (1) और (2) दोनों सही है
(d) Only (3) is correct / केवल (3) सही है

**Ans. (c) :** ऐतिहासिक अनुसंधान का संबंध ऐतिहासिक समस्याओ के वैज्ञानिक विश्लेषण से होता है। यहाँ ध्यातव्य है कि ऐतिहासिक अनुसंधान अतीत का विश्लेषण करता है। किन्तु यह भी ध्यातव्य है कि ऐतिहासिक शोध में हमेशा अभिलेखों का प्रयोग नहीं होता है बल्कि साहित्यिक, सामग्रियों का भी सहयोग ऐतिहासिक शोध में लिया जाता है।

70. **Which of the following is not correctly matched?**
**निम्नलिखित युग्म में कौन-सा सुमेलित नहीं है?**

| | | | |
|---|---|---|---|
| **(a)** | **Research Design शोध डिजाइन** | **(i)** | **A framework for every stage of collection and analysis of data आँकड़ों के संकलन और विश्लेषण के प्रत्येक स्तर के लिए ढाँचा बनाना** |
| **(b)** | **Dissertation शोध लघुग्रंथ** | **(ii)** | **Introduction, Literature review, Research methods, Result, Discussion and Conclusion. प्रस्तावना, साहित्य पुनर्वीलण, शोध प्रणालियाँ, परिणाम, चर्चा एवं निष्कर्ष** |
| **(c)** | **Research Report शोध प्रतिवेदन** | **(iii)** | **Introduction, Research methods, Index presentation, analysis, interpretation, conclusion प्रस्तावना, शोध, प्रणालियाँ, सूचकांक प्रस्तुतीकरण, विश्लेषण एवं निष्कर्ष** |
| **(d)** | **Research Paper शोध पत्र** | **(iv)** | **Introduction, Research Methods, Results and Conclusion प्रस्तावना, शोध प्रणालियाँ, परिणाम एवं निष्कर्ष** |

(a) (a) (b) (b)
(c) (c) (d) (d)

**Ans. (d) :** सही सुमेलन है-

| | |
|---|---|
| शोध डिजाइन - | आकड़ों का संकलन और विश्लेषण के प्रत्येक स्तर के लिए ढाँचा बनाना। |
| शोध लघुग्रंथ - | प्रस्तावना, साहित्य, पुनर्वीलण, शोध प्रणालियाँ, परिणाम, चर्चा एवं निष्कर्ष |
| शोध प्रतिवेदन - | प्रस्तावना, शोध प्रणालियाँ, सूचकांक प्रस्तुतीकरण, विश्लेषण एवं निष्कर्ष |
| शोध पत्र - | प्रस्तावना, शोध प्रणालियाँ एवं निष्कर्ष |

# उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग असिस्टेन्ट प्रोफेसर परीक्षा 2016

# प्राचीन इतिहास

**व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र** [परीक्षा तिथि : 15.12.2018

**1. Burzahom is the centre of which prehistoric culture ?**
**बुर्जहोम किस प्रागैतिहासिक संस्कृति का केन्द्र है ?**

(a) Early palaeolithic age
पूर्व पाषाण युग
(b) Later palaeolithic age
उत्तर पाषाण युग
(c) Mesolithic age
मध्य पाषाण युग
(d) Neolithic age
नव पाषाण युग

**Ans : (d)** बुर्जहोम (जम्मू-कश्मीर) नवपाषाणिक युग का प्रमुख केन्द्र माना जाता है। यहाँ से कृषि, पशुपालन और गर्त आवास का साक्ष्य मिला है।

**2. Which Buddhist literature gives the list of ancient scripts of India ?**
**कौन सा बौद्ध साहित्य भारत की प्राचीन लिपियों की सूची देता है ?**

(a) Brahmajal Sutta/ब्रह्मजाल सुत्त
(b) Mahavagga/महावग्ग
(c) Lalitvistar/ललितविस्तार
(d) Vinaya Pitak/विनय पिटक

**Ans : (c)** बौद्ध साहित्य ललितविस्तार में भारत की प्राचीन लिपियों का वर्णन है। यह महायान बौद्ध सम्प्रदाय का ग्रंथ है, इसमें भगवान बुद्ध की लीलाओं का भी वर्णन है।

**3. Bhattiprolu inscription was made by which metal ?**
**भट्टिप्रोलू अभिलेख किस धातु से निर्मित था ?**

(a) Silver/चाँदी
(b) Copper/ताबा
(c) Gold/सोना
(d) Zinc/जिंक

**Ans : (a)** सातवाहन कालीन प्रमुख अभिलेखों में अमरावती, भट्टिप्रोलू, नागार्जुन कोंडा जैसे स्थानों से स्तूप, चैत्य और विहार की जानकारी प्राप्त होती है। भट्टिप्रोलू अपने बुद्ध स्तूप के लिए भी जाना जाता है, यह आन्ध्र प्रदेश के गुंटूर जिले में एक छोटा सा गाँव है। भट्टिप्रोलू अभिलेख चाँदी से निर्मित है।

**4. Which one of the following pair is not correctly matched ?**
**निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?**

(a) Vedic literature : Dharma Sutra
वैदिक साहित्य : धर्म सूत्र
(b) Purana : Manvantar
पुराण : मन्वन्तर
(c) Buddhist literature : Manjushri Mulkalpa
बौद्ध साहित्य : मंजुश्री मूलकल्प
(d) Panini : Mahabhashya
पाणिनी : महाभाष्य

**Ans : (d)** शुंग कालीन शासक पुष्यमित्र के दरबार में पतंजलि नामक विद्वान रहते थे जिन्होंने इनके शासनकाल का वर्णन अपने ग्रंथ "महाभाष्य" में किया हुआ है।

**5. Which one of the following Greek account is earlier than Alexander?**
**निम्नलिखित में से कौन सा ग्रीक वृत्तांत सिकन्दर से पूर्ववर्ती है ?**

(a) Strabo/स्ट्रैबो
(b) Pliny/प्लिनी
(c) Niarchus/नियार्कस
(d) Tesiyus/टेसियस

**Ans : (d)** टेसियस प्रसिद्ध ईरानी राजवैद्य था उसने भारत के विषय में समस्त जानकारियों को ईरानी अधिकारियों से प्राप्त की है। स्ट्रैबो, प्लिनी, टॉलमी, एरियन सिकन्दर काल के बाद के लेखक थे। आनेसेक्रिटस, नियार्कस, अरिस्टोब्युलस सिकन्दर के समकालीन यूनानी लेखक थे।

**6. Who was the author of the book Muruz-ul-Jahab?**
**मुरुजुल जहाब का लेखक कौन था ?**

(a) Al Masudi/अल मसूदी
(b) Suleman/सुलेमान
(c) Al Biladuri/अल बिलादुरी
(d) Alberuni/अल्बरुनी